ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय को हर संभव मदद –जे. पी. डांगे

महाराष्ट्र वित्त आयोग के अध्यक्ष ने किया विश्वविद्यालय का दौरा

विश्वविद्यालय के फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास में चर्चा करते हुए जे. पी. डांगे, वित्ताधिकारी संजय गवई, प्रभारी जिलाधिकारी शेखर चेन्ने, प्रो. अनिल के. राय तथा विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेन्द्र सिंह।

वर्धा दि. 27 जुलाई 2012 : महाराष्ट्र राज्य में स्थापित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा को राज्य की ओर से हर संभव मदद मिलती रहेगी। विश्वविद्यालय के विकास के लिए विश्व़विद्यालय की ओर से राज्य को कोई प्रस्ताव आता हैं तो इस दिशा में उसे सहर्ष स्वीकार करते हुएँ अमल मे लाने का प्रयास किया जायेगा। यह बात महाराष्ट्र राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जे. पी. डांगे ने कही। वे गुरूवार (दि.26) को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के फादर कामिले बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास में विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी संजय गवई, प्रो. अनिल. के. राय. अंकित, विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेंद्र सिंह, प्रो. सुरेश शर्मा, के उपस्थिति में विश्वविद्यालय के विकास पर केंद्रित चर्चा के दौरान आश्वस्त कर रहे थे। इस अवसर पर प्रभारी जिलाधिकारी शेखर चन्ने, उपविभागीय अधिकारी हरीश धार्मिक तथा तहसीलदार सुशांत किरण बनसोडे आदि अधिकारी प्रमुखता से उपस्थित थे। उनके आगमन पर उनका वित्ताधिकारी संजय गवई, प्रो. अनिल राय तथा विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेन्द्र सिंह ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

जे. पी. डांगे ने कहा की राज्य में इकलौता केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते इस विश्वविद्यालय से राज्य और वर्धा का गौरव बढ़ा हैं। इस विश्वविद्यालय को देखने और इसके द्वारा चलाये जा रहे पाठ्यक्रम, विकासात्मक गतिविधिया तथा वित्त से संबंधित कार्यकलापों का अवलोकन करने की इच्छा मन में थी। इसी वजह से यहां आने का मन बनाया। इन्होंने विश्वविद्यालय का विकास देखकर प्रसन्नता जाहीर करते हुए कहा की वर्धा में सेवाग्राम और पवनार आश्रम के बाद यह विश्वविद्यालय आकर्षण का केंद्र बना है। इस अवसर पर वित्ताधिकारी संजय गवई ने विश्वविद्यालय के विकास की जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय संसद द्वारा 1997 में स्थापित इस केंद्रीय विश्वविद्यालय में भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा अनुवाद एवं निर्वचन इन चार विद्यापीठों के माध्यम से एम. ए., एम. फिल. तथा पी-एच. डी. के पाठ्यक्रम चलाये जा रहे है। फिलहाल 70 पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में चल रहे हैं। 212 एकर की भूमि पर विस्तारीत इस विश्वविद्यालय में एक अंतरराष्ट्रीय छात्रावास, दो पुरूष छात्रावास तथा एक महिला छात्रावास बनाया गया हैं। गवई ने कहा कि बारहवीं योजना में विश्वविद्यालय द्वारा महत्वाकांक्षी प्रस्ताव विश्विविद्यालय अनुदान आयोग(यूजीसी) को भेजे गये हैं, जिनमें शिक्षा, प्रबंधन, मानवशास्त्र तथा स्कूल ऑफ क्रिएटिविटी इन चार और विद्यापीठों की मांग की गयी हैं। उन्होंने कहा कि कुलपति विभूति नारायण राय के कार्यकाल में विश्वविद्यालय विकास के शिखर की ओर बढ़ रहा हैं और भारत ही नहीं अपितु चीन, श्रीलंका, मॉरिशस, क्रोएशिया और थायलैण्ड आदि देशों के छात्र इस विश्वविद्यालय में पढ़ रहे हैं। डांगे द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के विकास को लेकर पूछे गये सवाल पर प्रो. अनिल राय ने बताया कि दुनिया के 150 से भी अधिक विश्वविद्यालय में हिंदी का पठन-पाठन हो रहा है। विदेशी हिंदी अध्यापकों के लिए विश्वविद्यालय साल में दो बार अभिविन्यास कार्यशालायों का आयोजन करता हैं, जिसके अंतर्गत अभी तक 25 से अधिक देशों के अध्यापक इस विश्वविद्यालय में आ चुके हैं।

विश्वविद्यालय के स्वामी संहजानंद संग्रहालय में जे.पी. डांगे, वर्धा जिले के प्रभारी जिलाधिकारी शेखर चेन्ने, उपविभागीय अधिकारी हरीश धार्मिक तथा तहसिलदार सुशांत किरण बनसोडे

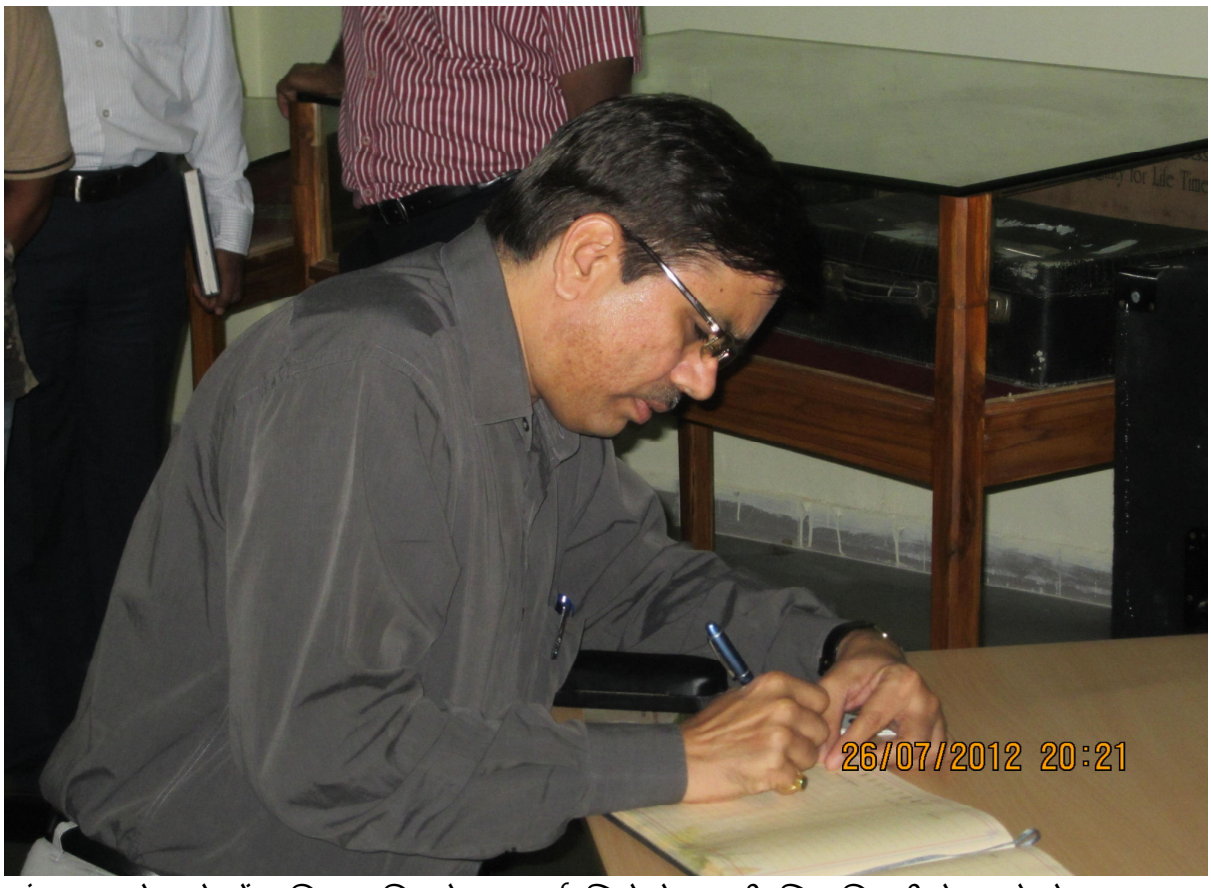

संग्रहालय के बारे में अभिप्राय लिखते हुए वर्धा जिले के प्रभारी जिलाधिकारी शेखर चेन्ने

अपने दौरे में उन्होंने स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय तथा संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के अत्याधुनिक स्टुडिओ का भी अवलोकन किया। इस दौरान प्रो. सुरेश शर्मा ने वित्त आयोग के अध्यक्ष डांगे को बताया कि स्वामी सहजानंद सरस्वती के नाम पर स्थापित यह संग्रहालय अपनी तरह का अनूठा अभिलेखागार हैं। जिसमें लेखकों की सैंकडों पांडुलिपिया, 500 से अधिक पत्र, दर्जनों दुर्लभ चित्र और 18वीं सदी से लेकर अब तक की ऐतिहासिक पत्रिकाओं के अंक सुरक्षित हैं। पुरे परिसर का दौरा करने के बाद डांगे ने विश्वविद्यालय के विकास की प्रशंसा करते हुए कुलपति विभूति नारायण राय, प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन, कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे, सहित समस्त अध्यापक एवं कर्मियों को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने विश्वविद्यालय को स्थानीय जिला प्रशासन के निरंतर सहयोग का भी भरोसा दिलाया। इस दौरान डॉ. एम. एल. कासारे, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, सहायक क्षेत्रीय निदेशक यशराज सिंह, राकेश श्रीमाल, सहसंपादक अमित विश्वास, सुरक्षा अधिकारी राजेन्द्र घोडमारे, राजीव पाठक आदि उपस्थित थे।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी